Letters Of Complementation

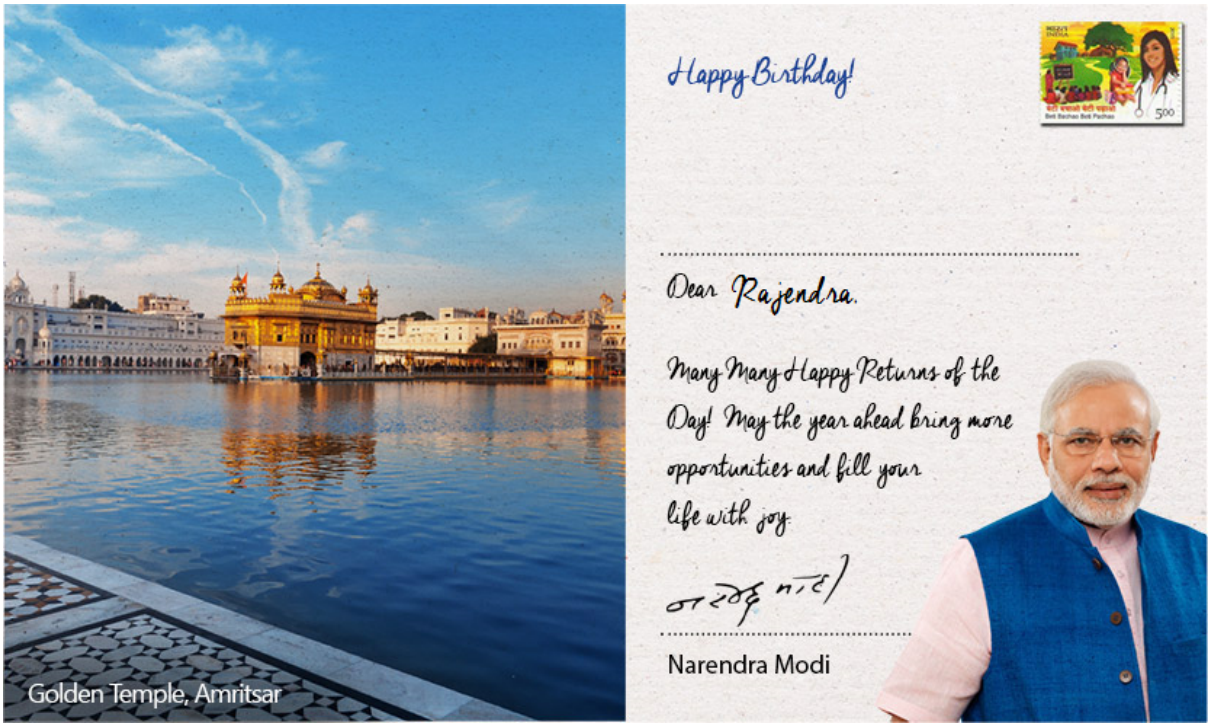

Gmail

Rajendra Sengar <rssengar3001@gmail.c

appy Birthday!

arendra Modi <admin@narendramodi.in>
: rssengar3001@gmail.com

Tue, Dec 1, 2020 at 7:5

Click here to view details

Rock Memorial, Kanyakumari

Happy Birthday!

Dear Rajendra

Wish you a very Happy Birthday
May this year bring more
happiness and success in your life!

Narendra Modi

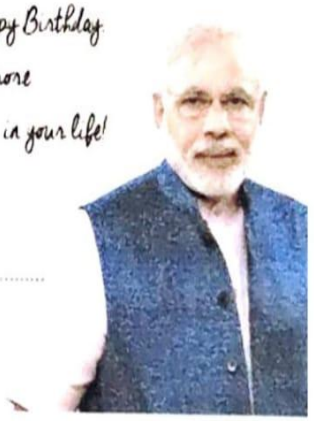

Tell a Friend | Tweet | Share

Happy Birthday!

You have received this birthday mailer because rssengar3001@gmail.com is registered on www.narendramodi.in (http://www.narendramodi.in/)

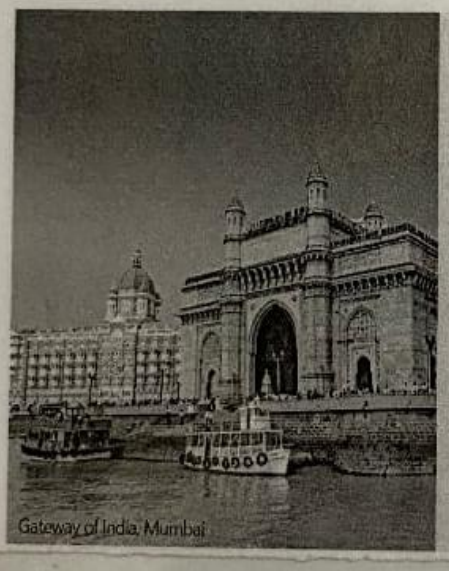

Gateway of India, Mumbai

Happy Birthday!

Dear Rajendra

Wish you a very Happy Birthday
May this year bring more
happiness and success in your life!

Narendra Modi

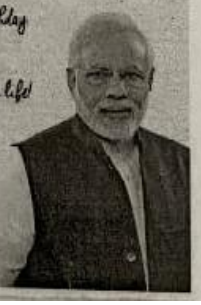

No. 3577771/PS to PM/DKP/2014

Rajeev Topno
Private Secretary to
the Prime Minister
Tel. : 23018939
Fax : 23016857

प्रधान मंत्री कार्यालय
नई दिल्ली–110011
PRIME MINISTER'S OFFICE
NEW DELHI - 110011

11 दिसम्बर, 2014

प्रिय श्री सेंगर,

प्रधान मंत्री जी को आपका पत्र प्राप्त हुआ। आपके द्वारा भेंट स्वरूप पुस्तक भेजने के लिए वे आपको धन्यवाद देते हैं।

मंगलकामनाओं सहित,

भवदीय,

(राजीव टोपनो)

श्री राजेन्द्र सिंह सेंगर
सहायक प्रबन्धक
भारतीय रिजर्व बैंक
6, संसद मार्ग
नई दिल्ली

भारत के उप राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधि
OFFICER ON SPECIAL DUTY
TO THE VICE-PRESIDENT OF IND
नई दिल्ली/NEW DELHI - 110011
TEL.: 23016422 / 23016344 FAX : 231

सं.वीपीएस/20/23/1/2015

01 दिसंबर, 2015

प्रिय महोदय,

महामहिम उपराष्ट्रपति जी को प्रेषित आपका पत्र मिला जिसके साथ आपने पुस्तक भी भेजी है, धन्यवाद। पुस्तक अध्ययन में बहुत उपयोगी है उपराष्ट्रपति जी आपको अपनी हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करते हैं।

धन्यवाद,

भवदीय,

(अंशुमान गौड़)

श्री राजेन्द्र सिंह सेंगर,
सहायक महाप्रबंधक (भा.रि.बै.)
6, संसद मार्ग, नई दिल्ली।

डा० नसीम जैदी
भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त
DR. NASIM ZAIDI
Chief Election Commissioner of India

भारत निर्वाचन आयोग
Election Commission of India

NO-CEC/ECI/2016

दिनांक-06-01-2016

प्रिय श्री सेंगर

आपके द्वारा प्रेषित पुस्तक " ऑफिस में सैल्फ मैनेजमेंट के टॉप सीक्रेट्स " प्राप्त हुई। धन्यवाद। मैं आपके सराहना भरे शब्दों के लिए आभारी हूं।

आपका उपरोक्त प्रयास बहुत अच्छा है। आप सरकारी कार्मिकों की चिंतनधारा को परिवर्तन करने की ओर एक बीड़ा उठाए हुए हैं। मुझे आशा है कि यदि आपके द्वारा बताए गए सुझावों को अपनाया जाए तो कार्मिकों की उत्पादकता, व्यक्तिगत जीवन और स्वास्थ्य में काफी सुधार होगा। मैं आपकी पुस्तक को आयोग के पुस्तकालय में आयोग के कार्मिकों के पढ़ने के लिए रखवाउंगा। आशा है कि आप भविष्य में भी इस प्रकार की रचनात्मक पुस्तकें लिखते रहेंगे आपके उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ।

शुभकामनाएं

आपका
नसीम ज़ैदी
(डॉ. नसीम ज़ैदी)

श्री राजेंद्र सिंह सेंगर
सहायक महाप्रबंधक,
भारतीय रिजर्व बैंक
नई दिल्ली
मो.7838730264

।।ॐ।।

शु. 9, युगाब्द 5118 दि. :– 13–0;

ोय श्री राजेन्द्रसिंग सेंगर जी,

सादर सस्नेह नमस्कार।

आप सानंद, स्वस्थ एवं कुशल होंगे ही।

आपका 3 मई का लिखा पत्र आपकी लिखी पुस्तक सहित जुन मास में मेरे वर्गों के प्रवा प्राप्त हुआ। आपके स्वाभाविक भारतीय दृष्टिकोन से कार्यालयों में कर्मिकों के स्वयंप्रबंधन के सं इस पुस्तक से कार्यसंस्कृति में भारतीय दृष्टिकोन के प्रभाव के युग का सूत्रपात हो सकता है ऐसे इस महत्वपूर्ण पुस्तक का प्रचार–प्रसार व्यापक प्रमाण में हो इस शुभकामना के साथ मैं अ अभिनंदन करता हूँ। पुस्तक प्रकाशन में लगे सभी को मेरी शुभकामनाएँ व अभिनंदनपूर्वक यथा र विदित किजियेगा।

आपका

(मोहन भागवत)

अनुराग सिंह ठाकुर
Anurag Singh Thakur

D.O. No. 36 /VIP/MoS(F&CA)/2019

वित्त एवं कारपोरेट कार्य राज्य मंत्री
भारत सरकार
नई दिल्ली–110001
MINISTER OF STATE FOR FINANCE
AND CORPORATE AFFAIRS
GOVERNMENT OF INDIA
NEW DELHI-110001

31 DEC 2019

प्रिय श्री सेंगर जी,

आपका दिनांक 11 नवम्बर, 2019 के पत्र के साथ "ऑफिस में सैल्फ मैनेजमेंट के टॉप सीक्रेट्स" और "युवाओं की सफलता के मूल मंत्र एवं मन की अपार शक्तियां" नामक पुस्तकें प्राप्त हुईं।

पुस्तकों के माध्यम से समाज में मानवीय मूल्यों को आत्मसात करने और उच्च विचार एवं सार्वजनिक जीवन की शुचिता को जन-जन तक पहुंचाने की प्रेरणा मिलेगी, ऐसा मुझे पूर्ण विश्वास है।

मुझे आशा ही नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास है कि आप भविष्य में भी अपने उत्कृष्ट लेखन से सामाजिक चेतना पर साकारात्मक प्रभाव डालने के लिए निरंतर प्रयास रहेंगे।

शुभकामनाओं सहित,

आपका,

(अनुराग सिंह ठाकुर)

श्री राजेन्द्र सिंह सेंगर,
वरदा, बी-11, रिजर्व बैंक वरिष्ठ अधिकारी कालोनी,
दादर पश्चिम (कीर्ति कालेज के पीछे),
मुम्बई -400028

कार्यालय : कमरा नं० 138, नॉर्थ ब्लाक, नई दिल्ली-110001 दूरभाष : 23092377, 23094108, फैक्स : 23092680
Office : 138, North Block, New Delhi-110001 Phone : 23092377, 23094108, Fax : 23092680
निवास : 14-जनपथ, नई दिल्ली-110001 दूरभाष : 23782365, फैक्स : 23782368 ई–मेल : mosfinance@nic.in
Residence : 14-Janpath, New Delhi-110001 Phone : 23782365, Fax : 23782368, E-mail : mosfinance@nic.in

ओ. पी. रावत
भारत के निर्वाचन आयुक्त
O. P. RAWAT
Election Commissioner of India

सत्यमेव जयते

भारत निर्वाचन आयोग
Election Commission of India

सं: नि.आ.(रा)/41/2015

16 नवम्बर, 2015

प्रिय श्री सेंगर,

आपके द्वारा भेजे गये पत्र व पुस्तक "ऑफिस में सैल्फ मैनेजमेंट के टॉप सीकेटस" के लिए बहुत बहुत धन्यवाद ।

ईश्वर निरंतर आपको स्वस्थ रखे एवं सुख–समृद्धि प्रदान करे।

सादर,

आपका,

(ओम प्रकाश रावत) 16|11|15

श्री राजेंद्र सिंह सेंगर,
सहायक महाप्रबंधक, भारतीय रिजर्व बैंक
६, संसद मार्ग,
नई दिल्ली।

निर्वाचन सदन, अशोक रोड, नई दिल्ली- 110 001
Nirvachan Sadan, Ashoka Road, New Delhi 110 001
दूरभाष/Tel: 011-23052137, 011-23052138, फैक्स/Fax: 011-23052139, वेबसाइट/Website: www.eci.nic.in

अरूण जेटली
वित्त, कार्पोरेट कार्य
सूचना व प्रसारण मंत्री
भारत

Dy. No. 260785 FM/FMP/2015

Arun Jaitley
Minister of Finance, Corporate Al
and Information & Broadcastir
India

15 DEC 2015

प्रिय श्री राजेंद्र सिंह सैंगर जी,

आपके द्वारा भेजी गई पुस्तक "ऑफिस में सैल्फ मैनेजमेंट के टॉप सीक्रेट्स" के लिए आपको धन्यवाद देता हूँ।

सादर,

आपका

(अरूण जेटली)

श्री राजेंद्र सिंह सेंगर,
सहायक महाप्रबंधक, भारतीय रिज़र्व बैंक,
6, संसद मार्ग, नई दिल्ली ।

आभार प्रदर्शन

Governor,Reserve Bank Of India

Sent: Wednesday, September 23, 2015 4:44 PM

To: Sengar, Rajendra Singh

प्रिय श्री सेंगर जी,

आपके पत्र के लिए धन्यवाद। उक्त पत्र के साथ संलग्न "ऑफिस में सैल्फ मैनेजमेंट के टॉप सीक्रेट्स" नामक पुस्तक प्राप्त हुई।

मैंने इस पुस्तक को देख लिया है तथा इसे प्रेषित करने के लिए आपको धन्यवाद देता हूं।

शुभकामनाओं सहित,

रघुराम राजन / Raghuram Rajan
गवर्नर / Governor
भारतीय रिजर्व बैंक / Reserve Bank of India
मुंबई - 400 001 / Mumbai - 400001
दूरभाष / Tel :+91-22-22660868
फैक्स / Fax :+91-22-22661784

भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

उप गवर्नर
Deputy Governor

23 फरवरी 2016

श्री राजेंद्र सिंह सेंगर
सहायक महाप्रबंधक
भारतीय रिजर्व बैंक
नई दिल्ली

महोदय,

मुझे आपके द्वारा प्रेषित आपकी पुस्तक " ऑफिस में सेल्फ मैनेजमेंट के टॉप सीक्रेट्स" की प्रति प्राप्त हुई । धन्यवाद। निश्चय ही आप इस रचना के लिए बधाई के पात्र हैं। सरसरी निगाह डालने से यह प्रतीत होता है कि आपकी यह पुस्तक अत्यंत रोचक एवं ज्ञानवर्धक होगी । मुझे विश्वास है कि पाठक आपके द्वारा सुझाये गए विचार बिन्दुओं पर अवश्य गौर करेंगे तथा इससे लाभान्वित होंगे। समय मिलने पर मैं अवश्य ही इस पुस्तक का विस्तार से अध्ययन करूंगा । मुझे आशा है कि आपकी पुस्तक सर्वत्र सराही जाएगी।

शुभकामनायें सहित।

भवदीय

(सुभाष मूंदड़ा)

केन्द्रीय कार्यालय भवन, शहीद भगतसिंह मार्ग, मुम्बई - 400 001. भारत
फोन : (022) 2261 1097 फैक्स : (022) 2267 5277 ई-मेल : ssmundra@rbi.org.in
Central Office Building, Shahid Bhagat Singh Marg, Mumbai - 400 001. INDIA

भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

उप गवर्नर
Deputy Governor

6 अक्तूबर 2017

श्री राजेंद्र सिंह सेंगर
सहायक महाप्रबंधक
भारतीय रिज़र्व बैंक
6, संसद मार्ग, नई दिल्ली

प्रिय श्री सेंगर जी

आपके 06 अक्तूबर 2017 के पत्र के लिए धन्यवाद। उक्त पत्र के साथ संलग्न "ऑफिस में सैल्फ मैनेजमेंट के टॉप सीक्रेट्स" नामक पुस्तक प्राप्त हुई।

मैंने इस पुस्तक का अवलोकन किया है। यह पुस्तक काफी ज्ञानवर्धक और उपयोगी है। मुझे यह पुस्तक भेंट करने के लिए आपको बहुत धन्यवाद। अधिकाधिक लोगों की जानकारी के लिए मैं यह पुस्तक पुस्तकालय भेज रहा हूं।

शुभकामनाओं सहित,

भवदीय

वि. वि. आचार्य

(विरल वि. आचार्य)

केन्द्रीय कार्यालय भवन, शहीद भगतसिंह मार्ग, मुम्बई - 400 001. भारत
फोन : (91-22) 2261 0990 फैक्स: (91-22) 2267 5831 ई-मेल : viralacharya@rbi.org.in
Central Office Building, Shahid Bhagat Singh Marg, Mumbai - 400 001. INDIA
Tel : (91-22) 2261 0990 Fax: (91-22) 2267 5831 E-mail : viralacharya@rbi.org.in

हिंदी आसान है, इसका प्रयोग बढ़ाइए

अ.शा.पत्र संख्याः-सीए-1 (आई जी कैंप) 2019/
-3300

आलोक सिंह,
आई.पी.एस.

पुलिस महानिरीक्षक,
मेरठ परिक्षेत्र, मेरठ
निकट सर्किट हाउस, सिविल लाइन,
मेरठ-250001
0121-2666866, CUG-9454400214
digrmrt@up.nic.in

दिनांक : अक्टूबर 28 , 2019

प्रिय श्री सेंगर,

आप द्वारा भेजी गयी दोनों पुस्तकों "युवाओं की सफलता के मूल मंत्र" एवं "ऑफिस में सैल्फ मैनेजमेंट के टॉप सीक्रेट्स" मुझे प्राप्त हुयीं, जिनका मेरे द्वारा गहनतापूर्वक अध्ययन किया गया। पुस्तक "ऑफिस में सैल्फ मैनेजमेंट के टॉप सीक्रेट्स" निश्चित रूप से ऑफिशियल कार्य के सकुशल एवं तनाव रहित वातावरण में सम्पादन के लिये बहुत उपयोगी है। दूसरी पुस्तक "युवाओं की सफलता के मूल मंत्र" में भी आपके द्वारा युवाओं से सम्बन्धित समस्त समस्याओं/आयामों का बखूबी उल्लेख किया गया है जिसका अध्ययन सामाजिक दृष्टिकोण से बहुत उपयोगी है। मैं आशा करता हूँ कि भविष्य में भी आप इसी प्रकार सकारात्मक बातों का प्रचार-प्रसार करते रहेंगे, पुस्तकें भेजने के लिये आपका धन्यवाद।

आपके द्वारा भेजी गई पुस्तकों से मुझे समाज के प्रति सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त हुई है, जो मुझे समाज के व्यक्तियों की सेवा करने की प्रेरणा प्रदान करती रहेंगी।

सद्भावनाओं सहित।

सादर। भवदीय

28/10
(आलोक सिंह)

श्री राजेन्द्र सिंह सेंगर (लेखक),
वरदा बी-11, रिजर्व बैंक वरिष्ठ अधिकारी कालोनी,
दादर पश्चिम, (कीर्ति कालेज के पीछे) मुंबई-400028
मो0नं0-7828730264/9769986003

Shyam Tagade
IAS
Managing Director

The Maharashtra State Co-op. Cotton Growers' Marketing Federation Limited

श्री सेंगर ने पर विभिन्न कार्यालयों में काम करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए यह बहुत ही उपयोगी पुस्तक लिखी है। मन को सकारत्मक चिंतन जैसे अत्यंत कठिन कार्य में लगाना कैसे सम्भव होता है? इन्होंने इसका बहुत ही सरल भाषा में रोचक ढंग से वर्णन किया है। इन्होंने कार्यालयों में परिणामों को प्राप्त करने के लिए विपश्यना ध्यान साधना का बहुत ही सरल तरीके से उपयोग करना बताया है। मुझे आशा है कि इस पुस्तक को पढ़कर लोग विपश्यना साधना का अभ्यास करके अपनी क्षमता बढ़ाएंगे और वे लोगों के हित में तत्परता से काम करेंगे।

मैं इस पुस्तक को लोकोपयोगी बनने की कामना करता हूं।

श्यामताग़डे
22.9.2014

(श्याम तागडे)

प्रति,
श्रीयुत राजेन्द्र सिंह सेंगर,
सहायक महाप्रबंधक,
आर्थिक और नीति अनुसंधान विभाग,
केंद्रीय कार्यालय,
मुम्बई

Khetan Bhavan, 6th Floor, 198, J. T. Road, Churchgate, Mumbai - 400 020.
Tel. Off. : 022-22836878 Board : 022-66369650/51/53 Fax : 022-22875232
Email : mahacotstock@gmail.com / shyamtagade@yahoo.co.in

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF CUSTOMS (GENERAL)
NEW CUSTOM HOUSE
Ballard Estate, Mumbai-400 001.
Phone : 022-22757733; Fax : 022-22757702

S. P. SINGH, *IRS*
Joint Commissioner of Customs

The mind is ruler of the body. The victory or defeat in any situation depends upon thinking of the mind. I had the opportunity to go through the beautiful book 'Positive Thinking in Office Life' written by Shri Rajender Singh Sengar. I want to heartily congratulate him on the successful attempt made by him. Although there are plenty of books on positive thinking, there is hardly any book available which deals its application to office life. As office life is an important part not only of our personal life, it also affects the organization and the public at large. I hope that this book will greatly help its readers bring about positive changes in them and in their organization and will enable them to deal everyday situations arising in their office in a more effective manner.

I wish all the best to Shri Rajender Singh Sengar and readers of his book.

With thanks

Shiv Pratap Singh Bhadauria

भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

कार्यपालक निदेशक
Executive Director

12 फरवरी 2016

श्री राजेंद्र सिंह सेंगर
सहायक महाप्रबंधक
भारतीय रिज़र्व बैंक
6, संसद मार्ग
नई दिल्ली – 110 001

प्रिय सेंगर जी,

आपका 11 फरवरी 2016 का पत्र तथा उसके साथ संलग्न आपकी पुस्तक "ऑफिस में सैल्फ मैनेजमेंट के टॉप सीक्रेट्स" प्राप्त हुई। मुझे अपनी पुस्तक भेंट करने लिए आपको धन्यवाद!

मैंने पुस्तक का अवलोकन किया है। यह पुस्तक प्रेरक और उपयोगी है। मैं कामना करता हूं कि भविष्य में भी ऐसे उपयोगी लेखन के प्रति आपकी सक्रियता बनी रहे।

शुभकामनाओं सहित,

भवदीय

उ. शं. पालीवाल

(उमा शंकर पालीवाल)

केन्द्रीय कार्यालय भवन, शहीद भगतसिंह मार्ग, मुम्बई - 400 001, भारत
फोन : (91) 22-2261 1083 फैक्स : (91) 22-2263 2052 ई-मेल : uspaliwal@rbi.org.in
Central Office Building, Shahid Bhagat Singh Marg, Mumbai - 400 001, INDIA
Tel : (91) 22-2261 1083 Fax: (91) 22-2263 2052 E-mail : uspaliwal@rbi.org.in

हिंदी आसान है, इसका प्रयोग बढ़ाइए

भारतीय रिजर्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA

www.rbi.org.in

क्षेत्रीय निदेशक
Regional Director

'सकारात्मक जीवन स्वस्थ और संतुलित जीवन शैली का पर्याय है'

सकारात्मक सोच, जीने की कला सिखाने वाले गुरुओं द्वारा दिया जाने वाला कोई वरदान नहीं है। प्रत्येक व्यक्ति में इसको समझने और अपनाने की क्षमता है। सकारात्मक सोच की शक्ति होना जीवन का एक अति महत्त्वपूर्ण आयाम है। आज के आपा-धापी वाले जीवन में नकारात्मक चिंतन से ग्रस्त इसी सोच के परिणामस्वरूप विपरीत परिस्थितियों में भी काम के बोझ तले दबे प्रोफेशनल्स, तनावमुक्त रहकर सफलता पा सकते हैं।

इस पुस्तक में लेखक ने आज के आपा-धापी वाले जीवन-शैली और उससे उपजी हताशा के परिणामस्वरूप नकारात्मक सोच की बढ़ती प्रवृत्तियों का सोदाहरण वर्णन प्रस्तुत किया है और इन प्रवृत्तियों को सकारात्मक चिंतन के द्वारा एक व्यावहारिक दिशा प्रदान करने का प्रयास किया है।

आशा है यह पुस्तक पाठकों को सकारात्मक चिंतन के लाभों से परिचित कराएगी तथा उन्हें चिंता और तनाव से मुक्त कर सकारात्मक चिंतन के संतुलित मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करेगी। इससे कार्य वातावरण और कार्य संस्कृति को उत्कृष्ट बनाने में मदद मिलेगी।

श्री संजय को सफल प्रयास पर बधाई,

क्षेत्रीय निदेशक
भारतीय रिजर्व बैंक
नई दिल्ली

भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA

www.rbi.org.in

क्षेत्रीय निदेशक (मध्यप्रदेश)

Regional Director (Madhya Pradesh)

क्षेनिसचि(भोपाल)सं.**53**/01.06.008/2020-21 28 दिसम्बर 2020

प्रिय श्री सेंगर,

आपकी पुस्तक मुझे प्राप्त हुई है, जिसके लिए मेरी ओर से आपको बहुत शुभकामनायें। पुस्तक की प्रति भेजने के लिए आपका धन्यवाद।

आपकी पुस्तक में आपने ऑफिस मे सफलता प्राप्त करने के लिए आवश्यक सभी प्रासंगिक बिन्दुओं का बड़ी बारीकी से उल्लेख किया है। आपने बड़ी सरलता एवं सहजता के साथ काफी मुद्दों को, उदाहरणों सहित बहुत खूबी से समझाया है। मैं इस पुस्तक को समय मिलने पर पूर्ण रूप से पढ़ूँगा।

एक बार फिर मेरी शुभकामनायें आपके साथ है।

भवदीय,

(विवेक अग्रवाल)

श्री राजेंद्र सिंह सेंगर
उप महाप्रबंधक,
राजभाषा विभाग,
भारतीय रिज़र्व बैंक,
बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स,
मुंबई -400 001

होशंगाबाद रोड, पो. बा. नं. 32, भोपाल - 462 011 (म. प्र.) भारत
दूरभाष : (0755) 2550233, फैक्स : (0755) 2552283, ई-मेल : rdbhopal@rbi.org.in
Hoshangabad Road, P.B.No. 32, Bhopal - 462 011 (M.P.) INDIA
Tel.: (0755) 2550233, Fax : (0755) 2552283, E-mail : rdbhopal@rbi.org.in

हिन्दी आसान है, इसका प्रयोग बढ़ाइए

चेतावनी : रिज़र्व बैंक द्वारा ई-मेल, डाक, एसएमएस या फोन कॉल के जरिये किसी भी व्यक्तिगत जानकारी जैसे बैंक के खाते का ब्यौरा, पासवर्ड आदि नहीं मांगी जाती है। यह धन रखने या देने का प्रस्ताव भी नहीं करता है। ऐसे प्रस्तावों का किसी भी तरह से जवाब मत दीजिये।

Caution : RBI never send mails, SMSs or makes calls asking for personal information like bank account details, password etc. It never keeps or offers funds to anyone. Please do not respond in any manner to such offers.

Acknowledgement for receipt of book.

rmo@mod.nic.in [rmo@mod.nic.in]

Sent: Monday, March 21, 2016 1:29 PM

To: Sengar, Rajendra Singh

Dear Shri Rajendra Singh Sengar,

I thankfully acknowledge the receipt of the book written by you titled "Top Secret's of Self Management in Office".

With best wishes and regards.

Manohar Parrikar
Raksha Mantri

मुख़्तार अब्बास नकवी
Mukhtar Abbas Naqvi

D.O. No. 187 /VIP/MoS(MA)/2016

संसदीय एवं अल्पसंख्यक कार्य राज्य मंत्री
भारत सरकार
नई दिल्ली - 110003

MINISTER OF STATE FOR PARLIAMENTARY
AND MINORITY AFFAIRS
GOVERNMENT OF INDIA
NEW DELHI-110003

4 अप्रैल, 2016

प्रिय श्री राजेन्द्र सिंह सेंगर जी,

दिनांक 17 मार्च, 2016 के पत्र के साथ आपके द्वारा लिखी गई पुस्तक 'ऑफिस में सैल्फ मैनेजमेंट के टॉप सीक्रेट्स' की प्रति भेजने के लिए धन्यवाद।

शुभकामनाओं सहित,

आपका,

(मुख्तार अब्बास नक़वी)

श्री राजेन्द्र सिंह सेंगर
सहायक महाप्रबंधक,
भारतीय रिजर्व बैंक,
6, संसद मार्ग, नई दिल्ली।

Ministry of Parliamentary Affairs : Room No.-64, Parliament House, New Delhi-110001 Ph.: 011-23034642, 23017651 Fax: 011-23013495
Ministry fo Minority Affairs: 1st Floor, Paryavaran Bhawan, CGO Complex, Lodhi Road, New Delhi-110003
Ph.: 011-24360585, 24360586 Fax. 011-24360587
Residence Office : C-I/12A, Pandara Park, New Delhi-110 003 Ph.: 011-23388917, 23388850 Fax: 23073448

S.C. Chaudhary
JOINT SECRETARY

LOK SABHA SECRETARIAT
330, Parliament House Annexe
New Delhi-110 001
Phones : 011-23034330, 23034341

आज देश का युवा संक्रांति काल से गुजर रहा है। उसके समक्ष अनेक समस्याएं मुंह बाए खड़ी हैं । एक तरफ,उसके सामने सार्थक शिक्षा प्राप्त करने की समस्या है तो दूसरी तरफ, योग्यतानुसार रोजगार पाने की समस्या है। उसकी शिक्षा रोजगार की गारंटी नहीं है। उसे योग्य होने के बावजूद दर दर भटकना पड़ रहा है। सरकार की अपनी विवशताएँ हैं। सरकारी नौकरी की कुर्सी पर बैठने वालों की संख्या बेशुमार है। ऐसे में शिक्षित युवा क्या करे? निजी क्षेत्र में भी नौकरियों की स्थितिसंतोषजनक नहीं है। ऐसे हालातों में श्री सेंगर ने अपनी इस पुस्तक के माध्यम से युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए कुछ उपाय सुझाए हैं। ये उपाय युवाओं की सकारात्मक सोच को मजबूत करते हैं, उन्हें विराट दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं । साथ ही उनमें आध्यात्मिक सोच का निर्माण करते हैं । युवाओं के लिए आध्यात्मिक सोच के अनेक फायदे हैं। इससे उनमें राष्ट्रनिष्ठा, कर्तव्यनिष्ठा और धर्मनिष्ठा के तत्व मजबूत होते हैं और हर देश का यही सपना होता है कि उसका युवा संतुष्ट हो, अनुशासित हो, कर्मनिष्ठ हो, प्रगतिशील हो,उद्यमी हो और नवोन्मेषी हो।

श्री सेंगर ने विद्यार्थियों और युवाओं के जीवन में माता पिता, शिक्षकों और सरकार की आदर्श भूमिका का बड़ा ही सुंदर चित्रण प्रस्तुत किया है। उन्होंने युवाओं के जीवन का ऐसा कोई कोना नहीं छोड़ा है जहां पर उनकी दृष्टि नहीं गई है। मेरा मानना है कि यदिआज का युवा श्री सेंगर के बताए नुस्खों पर अमल करने लगे तोइससे न केवल उनकी तरक्की होगी बल्कि देश को तरक्की की बुलंदियों पर ले जाया जा सकेगा । आशा है विद्यार्थी और युवा उनके बताए मार्ग पर चलने का प्रयास करेंगे और देश को पुन: एक गौरवशाली राष्ट्र बनाएंगे।

(सुखी चंद चौधरी)
संयुक्त सचिव
लोक सभा सचिवालय

LOK SABHA SECRETARIAT

legrams : LOKSABHA, NEW DELHI
X : 23010756

PARLIAMENT HOUSE ANNEXE
NEW DELHI-110001

निदेशक

23 दिसंबर 2015

प्रिय सेंगर जी,

आपने "ऑफिस में सैल्फ मैनेजमेंट के टॉप सीक्रेट्स" नामक पुस्तक लिखकर कार्मिकों को नौकरी करते हुए सकारात्मक चिंतन का नजरिया अपनाने के लिए प्रेरित करने का जो बीड़ा उठाया है, वह सराहनीय है। इस पुस्तक में सकारात्मक चिंतन के दिए गए नुस्खे कार्यालयों में कार्यरत हजारों कार्मिकों की चिंतनधारा को बदल सकते हैं। इनके माध्यम से वे अपने आत्म को परिशुद्ध कर सकते हैं, उनमें भ्रष्टाचार के प्रति स्वयमेव अरुचि उत्पन्न हो सकती है और वे कार्यालय में स्वस्थ, तनावरहित, परस्पर मेलजोल तथा कर्मठता का जीवन जी सकते हैं। वास्तव में, यदि ऑफिस में कुछ बातों का ध्यान रखा जाए तो हम अपने ऑफिस को घर जैसा आत्मीय वातावरणयुक्त स्थान बना सकते हैं। फिर हमें न कोई टेंशन देने वाला होगा और न कोई अंतरसंबंधों को खराब करने वाला। इन सब बातों के अनुप्रयोग से कार्यालय में एक अनुशासित,आत्मीय और सकारात्मक सोच युक्त वातावरण के निर्माण में मदद मिलेगी।

समाज को एक उपयोगी पुस्तक देने के लिए बहुत बहुत साधुवाद और बधाइयाँ।

शुभकामनाओं सहित,

(सुखी चंद)

प्रति

राजेंद्र सिंह सेंगर
सहायक महाप्रबंधक
6, संसद मार्ग,भारतीय रिज़र्व बैंक
नई दिल्ली

नरेंद्र कुमार पाण्डेय
निदेशक
FAX 23010756

LOK SABHA SECRETARIAT

514, संसदीय सौध,
नई दिल्ली
PARLIAMENT HOUSE ANNEXE
NEW DELHI-110001

26 दिसंबर 2015

प्रिय सेंगर जी,

समस्याओं के चक्रव्यूह से निकलने का सुगम मार्ग - सकारात्मक चिंतन

आज हम देख रहे हैं कि कार्यालयों में हमारे आपसी संबंधों की कड़ियां कमजोर हो रही हैं। हमारे बीच आपस में विश्वास की कमी हो रही है। हम स्वार्थपूर्ण और द्वेषपूर्ण व्यवहार कर रहे हैं। इस प्रकार के माहौल में नौकरीपेशा लोगों को मानसिक तनाव का सामना करना पड़ रहा है। अत: वे असमय ही कई प्रकार की जीवन शैली संबंधी बीमारियों के शिकार हो रहे हैं।

श्री सेंगर द्वारा लिखित पुस्तक "ऑफिस में सैल्फ मैनेजमेंट के टॉप सीक्रेट्स" में इन समस्याओं का हल ढूँढने की कोशिश की गई है ।यह पुस्तक, कार्यालय में हम अपना आत्म–प्रबंधन कैसे करें? और सकारात्मक सोच बनाकर कार्य के वातावरण को कैसे मनोनुकूल बनाएं ?इत्यादि अनेक विषयों पर समाधान प्रस्तुत करती है। इस पुस्तक में कार्यालय जीवन की अनेक समस्याओं से जूझते कर्मचारी वर्ग को इन समस्याओं से मुक्ति दिलाने का एक बेहतरीन प्रयास किया गया है । मैं इस पुस्तक की सफलता की कामना के साथ श्री सेंगर के दीर्घायु और स्वस्थ जीवन के लिए प्रभु से प्रार्थना करता हूँ।

मंगल कामनाओं सहित,

आपका ही

(नरेंद्र कुमार पाण्डेय)

सेवा में
राजेंद्र सिंह सेंगर
सहायक महाप्रबंधक
6, संसद मार्ग, भारतीय रिज़र्व बैंक
नई दिल्ली

LOK SABHA SECRETARIAT

Telegrams LOKSABHA, NEW DELHI
FAX 23010756

PARLIAMENT HOUSE ANNEXE
NEW DELHI-110001

जीवन के चार पड़ावों में से सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव युवावस्था ही होता है, बचपन की गलियों से गुजरकर जैसे ही हम युवावस्था में पदार्पण करते हैं तो किशोरावस्था की समस्याओं से हमारा परिचय होता है। बचपन की बेफिक्री, अलमस्त अंदाज कैसे धीरे-धीरे एक धीर-गम्भीर दैनंदिन प्रक्रिया की भट्ठी से होकर कब एक जिम्मेदार युवा के रूप में ढल जाता है.. पता ही नहीं चलता। यही वह अवस्था है जब यह तय होता है कि अमुक युवा कौनसा मार्ग अपना कर अपने आपको समाज के लिए उपयोगी या फिर अनुपयोगी बना सकता है। अपने आपमें सद्गुणों का समावेश कर ईश प्रदत्त अपने जीवन को हम ऐसी ऊंचाइयों तक पहुंचा सकते हैं जो आने वाले समय में समाज के सद्निर्माण में एक ईंट की सदृश अपना अतुलनीय योगदान दे सकता है। सेंगर जी की पुस्तक में विद्यार्थी जीवन और युवावस्था में आने वाले समस्त सोपानों पर विस्तार से विचार किया गया है। इस संबंध में यह बताना अप्रासंगिक न होगा कि उनकी पुस्तक पढ़ते समय स्वयं मैंने अपने युवा पुत्र की व्यक्तिगत समस्या को समझकर उसका सम्यक् निदान करने में सफलता हासिल की। इसलिए युवाओं के प्रति इसकी प्रासंगिकता और सफलता के प्रति मैं आश्वस्त हूं। सेंगर जी को इसके लिए मैं साधुवाद देता हूं।

जगपाल सिंह रावत
अपर निदेशक (सम्पादन एवं अनुवाद सेवा)
लोक सभा सचिवालय

लोक सभा सचिवालय

तार : लोकसभा, नई दिल्ली
फैक्स: 23010756

संसदीय सौध,
नई दिल्ली -110001

मेरा सौभाग्य है कि श्री राजेन्द्र सिंह सेंगर लोक सभा में मेरे सहयोगी रहे और कुछ समय बाद उन्होंने भारतीय रिजर्व बैंक में कार्यभार ग्रहण किया। उनसे बातचीत के दौरान मुझे सदा ये लगता रहा था कि उनकी सोच अत्यंत सकारात्मक है और किसी भी विषय में अपने विचारों को कलात्मकता और सजीवता के साथ प्रस्तुत करने का उनमें नैसर्गिक गुण है। कुछ समय पहले उनकी पुस्तक 'कार्यालय जीवन और सकारात्मक चिंतन' को पढ़ने का सुअवसर मुझे प्राप्त हुआ। वास्तव में कार्यालय जीवन की रोजमर्रा की गतिविधियों के कारण पैदा होने वाले तनाव से होने वाली अप्रत्याशित हानि को दूर करने के लिए हमें अपनी सोच को सकारात्मक बनाना होगा तभी हम कार्यालय जीवन और सामान्य जीवन में होने वाले संत्रास और तनाव से मुक्ति पा सकते हैं। सेंगर जी ने अत्यन्त सरल शब्दावली में अपनी बात को इस रूप में प्रस्तुत किया है कि वह सीधे दिल और दिमाग में उतर जाती है और यूं लगता है मानो तनाव से मुक्ति का प्रथम चरण प्रारम्भ हो गया हो। मुझे बताया गया है कि इस पुस्तक का दूसरा संस्करण शीघ्र प्रकाशित होने जा रहा है। इस तथ्य से इस पुस्तक की प्रासंगिकता और सार्थकता स्वयं सिद्ध हो जाती है। उनके इस प्रयास के लिये ढेर सारी शुभकामनाएं।

जगपाल सिंह रावत
संयुक्त निदेशक(अनुवाद एवं संपादन सेवा),
लोक सभा सचिवालय
फोनः 011-23034511

श्रीश कुमार मिश्रा
अधिवक्ता
सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली

निवास	ऑफिस/चैंबर
96,अनुपम अपार्टमेंट,	236,न्यू लॉयर्स चैंबर्स
वसुंधरा इंक्लेव , दिल्ली – 110096	सर्वोच्च न्यायालय,भगवान दास रोड
~~टेली. 22619303~~	नई दिल्ली – 110001
ईमेल: skmisra2001@yahoo.com	टेली. 23070236/ मोबा. 9811421063

प्रिय सेंगर जी,

हमारा आज का युवा पहले से ज्यादा बुद्धिमान,कुशल और कुशाग्र है किन्तु विडम्बना यह है कि उसे आज "का चुप साधि रहा बलवाना" की तरह अपनी अंतर्शक्ति का एहसास नहीं है। वह गौरवशाली है कि वह आज के भारत में पैदा हुआ । उसे आज के भारत की 50-100 वर्ष पूर्व के भारत से तुलना करनी चाहिए। उसे समझना चाहिए कि आज देश के पास संसाधनों और अवसरों की प्रचुरता है, कल कारखानों की भरमार है, स्कूल और कालेजों की बहुतायत है जिसमें ज्ञानी और अनुभवी शिक्षक अध्यापन करते हैं , उन्नत प्रौद्योगिकी है ---। आज क्या नहीं है हमारे पास? फिर, क्या वजह है कि वह शिकायती भाव रखता है। युवाओं को इस विषय पर चिंतन करना चाहिए ।

हमारा देश पुरातन काल से ही आध्यात्मिक शक्ति से सम्पन्न रहा है। यह शक्ति हमारी पथ प्रदर्शक रही है। दुर्भाग्यवश, आज हमने आधुनिकता के मोह में अपनी इस शक्ति को भुला दिया है। हमें केवल वही चीज दिखती है जो चमकती है। इसी कारण हमें धूल में सना हीरा भी ढेला नजर आता है। आज हमारे युवाओं का इसी प्रकार का दृष्टिकोण हो गया है। निराशावादी चिंतन किसी समस्या का समाधान नहीं होता। युवा सोचें कि भारत के पास आज क्या नहीं है? ऐसे समृद्ध भारत में हम अवसरों की कमी की बात करें तो सिर्फ हंसी आती है। युवा यह बात क्यों नहीं समझते कि देश में सभी नौकरशाह नहीं हो सकते, सभी उद्योगपति नहीं हो सकते और सभी सत्ताधारी नहीं हो सकते। अपनी सीमाओं को पहचानना भी एक सामयिक चिंतन है। उदाहरण के लिए क्या सभी शिक्षित युवाओं को केवल सरकारी नौकरशाह ही बनना चाहिए या कारपोरेट में बड़ा भारी पैकेज ही मिलना चाहिए ? शिक्षित युवा यदि ऐसी सोच रखते हैं तो उनका ऐसा सोचना ठीक नहीं होगा ।

श्री सेंगर ने अपनी पुस्तक में युवाओं की अनेक समस्याओं का समाधान देने की सार्थक कोशिश की है। ये उपाय बड़े कारगर हैं। युवाओं को इन पर अमल करने की आवश्यकता है। उनकी यह पुस्तक युवाओं के लिए एक प्रकार की गीता है। आशा है, उनके बताए गए उपाय युवाओं के जीवन को मंगलकारी बनाएंगे।

शुभकामनाओं सहित,

15/09/17

(श्रीश मिश्रा)

राजेंद्र सिंह सेंगर
सहायक महाप्रबंधक
भारतीय रिज़र्व बैंक
6, संसद मार्ग, नई दिल्ली -110001

श्रीश कुमार मिश्रा
अधिवक्ता
सर्वोच्च न्यायालय

निवास
96,अनुपम अपार्टमेंट,
वसुंधरा इंक्लेव,दिल्ली -110096
Tel./Fax: 22619303
ईमेल : skmisra2001@yahoo.com

ऑफिस/चैंबर
236,न्यू लॉयर्स चैम्बर्स
सर्वोच्च न्यायालय
भगवान दास रोड
नई दिल्ली -110001
टेली. 23070236 /मोबा. 9811421063

23 दिसंबर 2015

प्रिय सेंगर जी,

आपने सकारात्मक चिंतन की जिस प्रकार व्याख्या की है,वह अनूठी है। यह एक शोधपरक प्रयास है। हम इस चिंतन के द्वारा ऑफिस में न केवल अपनी सोच और अपने नजरिए को बदल सकते हैं बल्कि हम स्वयं को इतना सामर्थ्यवान् और उदात्त चित्त बना सकते हैं कि कैसी भी विकट परिस्थिति आए, हम अपने को उसके अनुकूल ढ़ाल सकते हैं। यह पुस्तक हमें कार्यालय में रोल मॉडल बनने के लिए प्रेरित करती है। इसके मूल में भगवान बुद्ध की `अप्प दीपो भव' की संकल्पना निहित है अर्थात् कार्यालय में हम अपने को न केवल आत्म - ज्ञानी बनाएं वरन वह शक्ति भी धारण करें जिससे हम अपने स्टाफ के बीच आपसी सद्भाव,प्रेम और बंधुत्व, कर्मठता और निष्ठा, न्याय और समता का उजाला फैला सकें।

मेरे विचार से कार्यालय जीवन में सकारात्मक चिंतन करने जैसे कठिन विषय पर लिखी गई यह पुस्तक बहुत ही उपयोगी है। मैं आशा करता हूं कि यह पुस्तक न केवल नौकरी पेशा लोगों के बल्कि सभी कार्य क्षेत्रों में लगे व्यक्तियों के दैनंदिन जीवन को प्रभावित करेगी और उन्हें सफल जीवन जीने का मार्ग दिखाएगी।

मंगल कामनाओं सहित,

(श्रीश मिश्रा)

राजेंद्र सिंह सेंगर
सहायक महाप्रबंधक
6, संसद मार्ग, भारतीय रिज़र्व बैंक